मुश्केली] **आंख़लडी** विराप. आंख आंग षडाबा. षडाबा. शरीरनो अवयव (सं.अंग); *षष्टिप्र. षडाबा.* अंग, जैन आगमसाहित्यनो एक विभाग; षष्टिप्र. अंग, [भाग] **आंगडणु** उक्तिर. अंगमंडन आंगमइ षष्ट्रिय. स्वीकारे, [पामे] (सं.अंग+ आंगलु प्राचीका. प्रेमप. प्रेमाका. झभलुं, अंगरखुं (सं.अंग उपरथी) आंगा विक्ररा. हम्मीप्र. एक प्रकारनां बख्तर **आंगी** *प्राचीफा*. जैन मूर्तिनो शणगार **आंगीगमइ** *आरारा. षष्टिप्र.* स्वीकारे, ले, [पामे] (सं.अंग+गम्) आंगुं जुओ आगु **आंगुलि** *षडाबा*. आंगळी (सं.अंगुलि) **आंगळियड** *वीसरा*. आंगळी (सं.अंगुलि) आंगुली, आंगुळी, आंगुळी उक्तिर. उपवा. नलरा. वीसरा. आंगळी (सं.अंगुलि); *वीसरा. [*वींटी] [सं.अंगुलीयक] आंच (आंच दीधी) मदमो. धमकी [दीधी] **आंचलि, आंचली** प्राचीफा, लावल, टेकनी पंक्ति, ध्रुवपद (सं.अंचल परथी) **आंचो** *प्रेमाका. [हरकत, आफत] [सं. अर्चि: । आंजणी वीसरा, *स्त्री आंटडी जुओ आंखुडी आंटलीए वले चतुचा. आडा फरे आंटि (आंटि देतां) *कादं(ध्र). पिग भरावतां. पग लगाडतां]

आंटीयो * चंद्रवा. [आंटी, कोयडो] **आंटे ***नरका. [आंट – हठ के टेकथी] **आंटो** अखाका. गूंच, मुश्केली आंड उक्तिर. ईंड्रं (सं.अण्डम्) आंण जुओ आण **आंतरइ** *आरारा*. वच्चे, -मां, आश्रये; आंतरे, पछी **आंतरणी ***षडाबा. [तूटकपणुं, खंडितपणुं] आंतरुं *ऋथिरा. भेदभावी: विहेरो, आनंस्त. अंतर, छेटापणुं, [जुदाई] आंतरो अखाका. भेद, जुदाई, अंतर; प्रेमाका. अंतर. समयगाळो **आंतलुहण, आंत्रलुहण** जिनरा. आत्मज, सिंतान आंत्र उक्तिर. षडाबा. आंतरडां (सं.अन्त्र) **आंत्रलूहण** जुओ आंतलूहण **आंदोल थया** *प्रेमाका*. हली ऊठ्या **आंधर, आंधो** *आनंस्त. गूर्जरा.* आंधळो (सं.अंध) आंब अभिऊ. नलरा. आंबानं झाड (सं.आम्र) **आंबइरा** उक्तिर. आंबाना आंबर प्राचीफा. कीमती वस्त्र, (सं.अंबर) **आंबळी** *प्रेमाका*. मरडी आंबुलु वसंफा-श्र. वसंवि. वसंवि(ब्रा). पति, प्रियतम आंबलु, आंबुलु प्राचीसं. वसंफा. वसंवि. वसंवि(ब्रा). आंबलो, आंबो (सं.आम्र) **आंबलो, आंबळो** नरका. वेताप. आमळो, अमळाट, खार, [रीस]